



Yojna IAS

G-32 NOIDA SECTOR-02
UTTAR PRADESH (201301)
CONTACT No. +8595907569

CURRENT AFFAIRS



Date – 15 June 2022

रामसे हंट सिंड्रोम



- हाल ही में पॉप गायक जस्टिन बीबर 'रामसे हंट सिंड्रोम' से प्रभावित हुए हैं।

रामसे हंट सिंड्रोम:

- रामसे हंट सिंड्रोम, जिसे 'हर्पीस ज़ोस्टर ओटिकस' के नाम से भी जाना जाता है, चेहरे की तंत्रिका के 'जीनिकुलेट गैंग्लियन' (7वें कपाल तंत्रिका) का एक वायरल संक्रमण है, जो तब होता है जब संक्रमण चेहरे की नसों को प्रभावित करता है।
- इससे नसों में सूजन आ जाती है, इसलिए वे कार्य करने की क्षमता खो देती हैं, जिससे अस्थायी रूप से चेहरे का पक्षाघात हो जाता है।

- शरीर में 12 कपाल नसें होती हैं। रामसे हंट सिंड्रोम एक वायरल संक्रमण है जो 7वें कपाल तंत्रिका को प्रभावित करता है, जो चेहरे की गतिविधियों में शामिल होता है।
- प्रत्येक 100,000 में से केवल पांच से 10 लोग ही रामसे हंट सिंड्रोम से हर साल प्रभावित होते हैं, जिससे यह एक अत्यंत दुर्लभ विकार बन जाता है।

कारण:

- रामसे हंट सिंड्रोम वैरीसेला जोस्टर वायरस के पुनः सक्रिय होने के कारण होता है, जो पहले रोगी में चेचक और दाद का कारण बन चुका है।
- यह वायरस हर्पीसवायरस समूह से संबंधित है जो शरीर में एक गुप्त संक्रमण के रूप में पाया जा सकता है।
- वैरीसेला जोस्टर वायरस प्रतिरक्षा प्रणाली के कमजोर होने के कारण पुनः सक्रिय हो सकता है।
- हालांकि यह एक छूत की बीमारी नहीं है, यह उन लोगों में चेचक का कारण बन सकता है जिन्हें इस बीमारी के खिलाफ टीका नहीं लगाया गया है।

लक्षण:

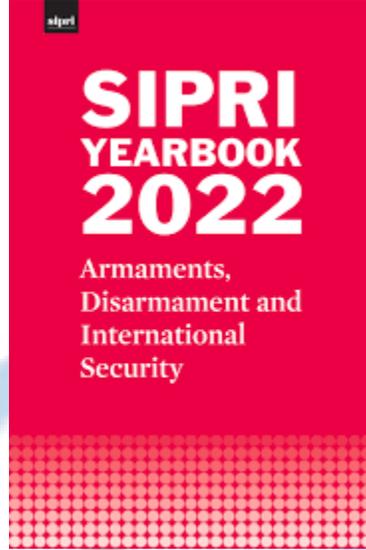
- रोग की शुरुआत लाल रंग के धब्बे के रूप में होती है जो धब्बे के दाने में सूजन का कारण बन जाते हैं। कभी-कभी दाने प्रभावित तंत्रिका के साथ-साथ ईयरड्रम, ईयर कैनाल, ईयर लोब, जीभ और मुंह को प्रभावित कर सकते हैं।

निदान:

- इस स्थिति के इलाज के लिए आमतौर पर एंटीवायरल थेरेपी और कॉर्टिकोस्टेरोइड्स (एंटी-इंफ्लेमेटरी ड्रग्स) का इस्तेमाल किया जाता है।

स्वदीप कुमार

SIPRI इयरबुक 2022



- हाल ही में स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (SIPRI) द्वारा 'SIPRI इयरबुक 2022' रिपोर्ट जारी की गई, जो हथियारों, निरस्त्रीकरण और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा की वर्तमान स्थिति का आकलन करती है।

SIPRI:

- यह युद्ध, आयुध, शस्त्र नियंत्रण और निरस्त्रीकरण में अनुसंधान के लिए समर्पित एक अंतरराष्ट्रीय संस्थान है।
- इसकी स्थापना वर्ष 1966 में स्टॉकहोम (स्वीडन) में हुई थी।
- यह नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं, मीडिया और जागरूक नागरिकों को पारदर्शी स्रोतों के आधार पर डेटा, डेटा विश्लेषण और सिफारिशें प्रदान करता है।

परमाणु हथियार:

वैश्विक परिदृश्य:

- नौ परमाणु-सशस्त्र देश- संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, इज़राइल और डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया (उत्तर कोरिया) – अपने परमाणु शस्त्रागार का आधुनिकीकरण करना जारी रखते हैं, हालांकि

जनवरी 2021 के बीच और जनवरी 2022 के बीच परमाणु हथियारों की कुल संख्या में थोड़ी गिरावट आई है, लेकिन अगले दशक में इसके बढ़ने की संभावना है।

भारत:

- जनवरी 2022 तक भारत के पास 160 परमाणु हथियार थे और ऐसा लगता है कि वह अपने परमाणु शस्त्रागार का विस्तार कर रहा है।
- परमाणु हथियार मिसाइलों या टॉरपीडो के विस्फोटक शीर्ष होते हैं जो परमाणु ऊर्जा का उपयोग करते हैं।
- भारत का परमाणु भंडार जनवरी 2021 में 156 से बढ़कर जनवरी 2022 में 160 हो गया।

चीन:

- जनवरी 2021 की तरह जनवरी 2022 में भी चीन के पास 350 परमाणु हथियार थे।
- भारत अपने परमाणु शस्त्रागार पर आधिकारिक डेटा साझा नहीं करता है।
- रूस और अमेरिका के पास कुल मिलाकर 90% से अधिक परमाणु हथियार हैं।

प्रमुख हथियार आयातक:

- एसआईपीआरआई ने 2016-20 में 164 राज्यों को प्रमुख हथियार आयातक के रूप में पहचाना।

देशानुसार:

- पांच सबसे बड़े हथियार आयातक सऊदी अरब, भारत, मिस्र, ऑस्ट्रेलिया और चीन थे, जो कुल हथियारों के आयात का 36% हिस्सा थे।

क्षेत्रवार:

- 2016-20 में जिन क्षेत्रों को सबसे बड़ी मात्रा में हथियारों की आपूर्ति प्राप्त हुई, वे एशिया और ओशिनिया थे, जो वैश्विक कुल आपूर्ति का 42% हिस्सा थे, इसके बाद मध्य-पूर्व को 33% प्राप्त हुआ।

प्रमुख हथियार आपूर्तिकर्ता:

- संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस, फ्रांस, जर्मनी और चीन ने 2016 से 2020 तक पांच सबसे बड़े आपूर्तिकर्ता देशों के प्रमुख हथियारों के निर्यात का कुल 76% हिस्सा लिया।

परमाणु कूटनीति में महत्वपूर्ण कदम:

परमाणु हथियारों के निषेध पर संधि (TPNW):

- आवश्यक 50 देशों का अनुसमर्थन प्राप्त करने के बाद जनवरी 2021 में परमाणु हथियार निषेध संधि (TPNW) लागू हुई।

न्यू स्टार:

- यूएस-रूस शस्त्र नियंत्रण समझौता नई START संधि को पांच वर्षों के लिए बढ़ा दिया गया था।

संयुक्त व्यापक कार्य योजना (JCPOA):

- ईरान परमाणु समझौते, संयुक्त व्यापक कार्य योजना (जेसीपीओए) पर लौटने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका पर वार्ता की शुरुआत में फिर से शामिल होना।

परमाणु हथियारों के अप्रसार पर संधि:

- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के परमाणु-सशस्त्र स्थायी सदस्यों (P5) ने अप्रसार, निरस्त्रीकरण और हथियार नियंत्रण समझौतों और प्रतिबद्धताओं के साथ-साथ 1968 की परमाणु अप्रसार संधि के तहत अपने दायित्वों का पालन करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

परमाणु कूटनीति में बाधाएं:

- सभी P5 सदस्य अपने परमाणु शस्त्रागार का विस्तार या आधुनिकीकरण करना जारी रखते हैं और ऐसा प्रतीत होता है कि वे अपनी सैन्य रणनीतियों में परमाणु हथियारों के महत्व को बढ़ा रहे हैं।
- रूस ने यूक्रेन में युद्ध के संदर्भ में परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की खुलेआम धमकी भी दी है।
- युद्ध ने द्विपक्षीय रूस-अमरीका सामरिक स्थिरता वार्ता को रोक दिया है और कोई अन्य परमाणु संपन्न राज्य हथियार नियंत्रण वार्ता का पालन नहीं कर रहा है।
- इसके अलावा, UNSC के P5 सदस्यों ने TPNW के विरोध में आवाज उठाई है और JCPOA वार्ता अभी तक किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है।